हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 27 जुलाई 2026

11 धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश के युवाओं व राहुल गांधी...

12 गरीब आदमी के जीवन उत्थान के लिए कार्य कर ...

GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING
Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak
REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
AC HOSTEL Facility Available
P.B. B.Sc. NURSING 2 Years GNM Pass
GNM 3 Years 12th Any Stream No Fees for S.C. Students
ANM 2 Years 12th Any Stream No Fees for S.C. Students
B.Sc. NURSING 4 Year | 10+2 (Medical)
Loharu Road, Charkhi Dadri M. 9812538777, 9034669933

मसाला चाय
सागर
STRONG Tea
ब्लैक डायमंड
REQUIRED : SALES PERSON
Mob: 92152-43212

खबर संक्षेप

लगातार तीसरी बार पोपली बने प्रधान

भिवानी। पिछले 50 वर्षों से समाजसेवा, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत जामपुर सेवा समिति के प्रधान पद का चुनाव रविवार को सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। समिति के सदस्यों ने गोपाल कृष्ण पोपली पर दोबारा विश्वास जताते हुए उन्हें लगातार तीसरी बार प्रधान चुना। महासचिव विनोद मिर्ग ने बताया कि समिति जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पोपली ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समिति की सेवा परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। समिति अस्पताल में हर माह हड्डी, मनोरोग और त्वचा जांच के निःशुल्क शिविर आयोजित करती है, जिससे सैकड़ों मरीज लाभान्वित होते हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क सिलाई केंद्र भी संचालित किया जा रहा है। पोपली के पुनः प्रधान चुने जाने पर समिति के सदस्यों, गणमान्य नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके नेतृत्व में संस्था के और अधिक प्रगति करने का विश्वास जताया।

पुलिस कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

तोशाम। बागनवाला निवासी 38 वर्षीय पुलिस कर्मचारी प्रदीप कुमार की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रदीप कुमार हिसार जिले के थाना सदर में मुख्य सिपाही के पद पर कार्यरत थे तथा एक माह से मेडिकल रेस्ट पर चल रहे थे। शनिवार-रविवार की रात उनकी अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पिता के बयान के आधार पर इत्तफाकिया कार्रवाई दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस की टुकड़ी ने राजकीय सम्मान के साथ उन्हें सलामी दी, जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, पुत्र और पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गया। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

हुडा और जनस्वास्थ्य विभाग के बीच फंसा पेच, गली में जमा हो रहा पानी

छह माह से टूटा सीवरेज का ढक्कन बना परेशानी का सबब

कई बार शिकायत के बावजूद जिला प्रशासन, सरकार व दोनों विभाग कुंभकर्णी नींद में सोये हुए हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

केंद्रीय विद्यालय के पीछे हरिपुर स्थित गैस गोदाम के सामने करीब छह माह से सीवरेज का ढक्कन टूटा हुआ हैं। सीवरेज का ढक्कन टूटने से गंदा पानी ओवरफ्लो होकर गलियों में जमा हो रहा हैं, जिससे राहगीरों व वाहन चालकों का आवागमन ठप हो चुका हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना हैं कि छह माह से क्षेत्रवासी परेशान हैं। शिकायत करते हैं तो हुडा विभाग व जनस्वास्थ्य विभाग एक दूसरे की सीवरेज लाइन बताकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं और दोनों विभागों के बीच फंसे पेच में क्षेत्रवासी पीस रहे है, जिसके चलते समस्या ज्यों की त्यों हैं, समाधान की तरफ दोनों ही विभागों ने कोई पहल नहीं की हैं।

उल्लेखनीय हैं कि केंद्रीय विद्यालय के पीछे हरिपुर पालुवास व औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर 26 में गैस गोदाम व साबुन फैक्ट्री के सामने सीवरेज के मैनहॉल का ढक्कन टूटा हुआ है। यह ढक्कन करीब छह महीने से टूटा हुआ हैं और गंदा पानी बार बार सड़क व गलियों में ओवरफ्लो हो रहा हैं। क्षेत्रवासी इसकी शिकायत अनेक बार हुडा विभाग व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कर चुके, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं हैं। फैक्ट्री संचालन एवं गांव पालुवास के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि नरेश तंवर, बिजेंद्र, राहुल, विनोद, रोहित, संदीप, बिल्लू आदि क्षेत्रवासियों ने बताया कि छह महीने से हम परेशानी झेल रहे हैं, जब भी हुडा विभाग में शिकायत करते हैं तो जनस्वास्थ्य विभाग की सीवर लाइन बताकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं, वहीं जनस्वास्थ्य विभाग में शिकायत करते है तो वे हुडा विभाग का क्षेत्र बताकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। दोनों ही विभाग एक दूसरे का क्षेत्र बताकर जनता को परेशान करने का काम कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि सीवर का ढक्कर टूटने से सारा गंदा पानी सड़क व गलियों में जमा हो जाता हैं, जहां से राहगीरों व वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता हैं। कई बार क्षेत्रवासी गली में जमा गंदे पानी को साथ लगते खाली प्लॉट में डाल देते हैं, ताकि राहगीरों व वाहन चालकों को आवागमन में कुछ राहत मिल सकें, लेकिन बरसात के दिनों में तो समस्या विकराल रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कहीं से भी निकलने का मार्ग नहीं बचता। उन्होंने कहा कि अनेक बार शिकायत के बावजूद जिला प्रशासन, सरकार व उक्त दोनों विभाग कुंभकर्णी नींद में सोये हुए हैं। क्षेत्रवासियों ने इसकी शिकायत समाधान शिविर में भी हैं, लेकिन शिविर में भी समाधान के नाम पर कुछ नहीं हैं। क्षेत्रवासियों का कहना हैं कि अगर समय रहते विभागों ने समस्या का समाधान नहीं किया तो वे रोड जाम करने पर मजबूर होंगे।

भिवानी। केंद्रीय विद्यायल के पीछे हरिपुर में टूटे सीवरेज ढक्कन व ओवरफ्लो की समस्या दिखाते क्षेत्रवासी।

उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- दादरी के रिंकू कुमार ने 2019-20 में कंपनी से ली थी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी
- कंपनी को शिकायतकर्ता को इलाज के 73,787 रुपये 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ चुकाने होंगे

दादरी जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने स्वास्थ्य बीमा क्लेम को गलत तरीके से खारिज करने पर इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ फैसला सुनाया है। आयोग के अध्यक्ष मनजीत सिंह नरयाल की पीठ ने इंश्योरेंस कंपनी की इस कार्रवाई को सेवा में कोताही और अनुचित व्यापार व्यवहार माना है। आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया है कि वह शिकायतकर्ता को इलाज के खर्च का पूरा भुगतान करे, साथ ही मानसिक प्रताड़ना के लिए हर्जाना और कानूनी खर्च भी चुकाए।

दादरी निवासी रिंकू कुमार ने वर्ष 2019-20 में कंपनी से हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी। 24 जुलाई 2025 को रिंकू कुमार को पेट से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हुईं, जिसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल गुरुग्राम में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद उन्हें 25 जुलाई 2025 को छुट्टी दे दी गई। अस्पताल ने कंपनी को कैशलेस इलाज के लिए सूचना भेजी थी, परंतु कंपनी ने कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी। इस वजह से शिकायतकर्ता को अपने पास से 73,787 रुपये का भुगतान करना पड़ा। जब शिकायतकर्ता ने इलाज के खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए दावा पेश किया, तो कंपनी ने 25 जुलाई 2025 को इसे खारिज कर दिया। कंपनी का तर्क था कि शिकायतकर्ता को साल 2018 से ही क्रोनिक डायरिया और कॉमन वेरिएबल इम्युनोडेफिशिएंसी डिसऑर्डर (सीवीडी) नामक बीमारी थी, जिसे उन्होंने पॉलिसी लेते समय जानबूझकर छिपाया। कंपनी ने इसे पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन बताते हुए बाद में पॉलिसी भी रद्द कर दी थी। मामले की सुनवाई के बाद जिला उपभोक्ता आयोग ने पाया कि बीमा कंपनी अपने आरोपों को साबित करने में नाकाम रही। आयोग ने स्पष्ट किया कि केवल डिस्चार्ज समरी में पुरानी बीमारी का जिक्र होने से यह साबित नहीं होता कि शिकायतकर्ता ने धोखाधड़ी की मंशा से इसे छिपाया था। कंपनी ने इसके समर्थन में किसी चिकित्सक का हलफनामा या ठोस चिकित्सा साक्ष्य पेश नहीं किया। इसके अतिरिक्त, कंपनी लगातार पॉलिसी का नवीनीकरण करती रही और इस दौरान उसने कभी कोई मेडिकल जांच नहीं कराई। आयोग ने बीमा कंपनी को आदेश दिया कि वह शिकायतकर्ता को इलाज के 73,787 रुपये 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटाए। यह ब्याज क्लेम खारिज होने की तारीख से भुगतान तक देय होगा।

खंड स्तरीय खेलों में आर्यावर्त स्कूल के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

चरखी दादरी। खंड स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं में आर्यावर्त वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आदमपुर डाढ़ी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर कई खिलाड़ियों का जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में पदक विजेताओं और चयनित खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य विक्रांत वशिष्ठ ने बताया कि रिया का 1500 मीटर दौड़, हर्ष, दीपांशु और चांद का कबड्डी तथा यश और हर्ष का कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिला स्तर पर चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं और विद्यालय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने खेल प्रशिक्षक सुमित की मेहनत और खिलाड़ियों के अनुशासित अभ्यास की सराहना करते हुए इसे सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन पवन वशिष्ठ, निदेशक सज्जन सिंह सांगवान, सचिव सुखबीर सांगवान सहित विद्यालय परिवार ने सभी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में हड़ौदी स्कूल का रहा दबदबा

बाढ़ड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हड़ौदी के विद्यार्थियों ने ब्लॉक स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल किया। लगातार दूसरी बार इस उपलब्धि को दोहराते हुए विद्यार्थियों ने विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्राचार्य विजेता फौगाट ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और मेहनत के दम पर यह सफलता प्राप्त की है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और शुभकामनाएं दीं।

प्राचार्य विजेता फौगाट ने विजेता विद्यार्थियों को दी बधाई

इस उपलब्धि का श्रेय सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े शिक्षकों सुनीता सांगवान, सुचित्रा, गणित अध्यापक राजेंद्र मैचू तथा मुख्य शिक्षक सज्जन सिंह धनासरी को दिया गया, जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। एनसीसी इंचार्ज सुरेंद्र जाखड़ ने भी विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। समाजसेवी जगबीर चांदनी ने कहा कि यदि बच्चे इसी लगन और मेहनत से आगे बढ़ते रहे तो वे जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। एसएमसी प्रधान सुनील, डॉ. मेजर नरेंद्र सांगवान (डेंटल क्लिनिक, ढाढरी), कंप्यूटर शिक्षक मिष्ठा तथा वजीर ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी उपलब्धि की सराहना की। जिला अध्यक्ष सुनील इंजीनियर ने विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हड़ौदी विद्यालय के बच्चे भविष्य में भी शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों में नए कीर्तिमान स्थापित करते रहें। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

कराटे प्रतियोगिता: रक्षित, कबीर, जयेश जरीक और किंजल फाइनल में पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राजपूत धर्मशाला में जिला कराटे संघ भिवानी के तत्वावधान में 25वीं सिल्वर जुबली जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया इस अवसर पर नगर परिषद भिवानी अध्यक्ष प्रतिनिधि भवानी प्रताप मुख्यातिथि रहे उनके साथ संजय वधवा वाइस चेयरमैन मार्किट कमेटी, डॉक्टर बृजपाल सिंह (अध्यक्ष हरियाणा राजपूत सभा) अभिषेक दुग्गल अवधेश और बसंत मेहरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के संचालक डॉक्टर प्रवीण गहलोत ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिला भिवानी शहर और अनेक गांवों के लगभग 180 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं

भिवानी। बाल प्रतिभागियों के हाथ मिलवा कर प्रतियोगिता शुरू करवाते हुए।

विजेता राज्य स्तरीय भिवानी की टीम का हिस्सा होंगे

डॉक्टर प्रवीण गहलोत ने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी अगले माह कुरुक्षेत्र में होने वाली राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में भिवानी की टीम का हिस्सा होंगे। रविवार तक के मुकाबले में रक्षित और कबीर , जयेश जरीक भिवानी चिराग खरख अरीजीत भिवानी एवं लड़कियों में किंजल यशस्वी पारीका लिनीशा में इन खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन एवं आयु वर्ग में फाइनल में प्रवेश किया। डॉक्टर प्रवीण गहलोत मुख्य कोच भिवानी व प्रतियोगिता संचालक ने बताया कि प्रतियोगिता के सभी मुकाबले रविवार देर रात तक करवाएं जाएंगे और परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। पुरस्कार वितरण समारोह में संघ के अध्यक्ष कंवर लाल सिंह तवर खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण करेंगे।

शिक्षा बचाओ आंदोलन जारी रहेगा

चरखी दादरी। दादरी के किला मैदान में शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति के नेतृत्व में चल रहा शिक्षा बचाओ आंदोलन सोमवार को भी जारी रहेगा। समिति ने इसे किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति के विरोध का आंदोलन नहीं, बल्कि चरखी दादरी के बच्चों, युवाओं और जिले के भविष्य के लिए जनहित की लड़ाई बताया है। समिति के सदस्य एवं हरियाणा सब्जी मंडी एसोसिएशन के प्रधान नितिन जांघू ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दे पूरे समाज के हैं। ऐसे में इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता से ही आंदोलन अपने उद्देश्य तक पहुंचेगा। सीटू की जिला सहसंयोजक कमलेश भैरवी ने बताया कि आंदोलन को और व्यापक बनाने के लिए महिलाओं तथा विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। गांधीनगर से पार्षद प्रतिनिधि नरेंद्र उर्फ पप्पू दहिया ने कहा कि शहर के पार्षदों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से संपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को इस मुहिम में शामिल किया जाएगा।

बैठक में नकली दवाओं के खिलाफ अभियान चलाने का लिया निर्णय

केमिस्टों ने ली नशा नहीं बेचने की शपथ

- मेडिकल एंड ड्रग सोसाइटी ने बैठक में सर्वसम्मति से नए पदाधिकारी चुने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मेडिकल एंड ड्रग सोसाइटी की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। बैठक में केमिस्टों ने नशा न बेचने और नकली दवाओं के खिलाफ अभियान चलाने का संकल्प भी लिया। इस दौरान दवा कारोबार को मजबूत बनाने और हरियाणा सरकार की गाइडलाइंस का पालन करने का संदेश दिया गया।

भिवानी में आयोजित मेडिकल एंड ड्रग सोसाइटी की बैठक में सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। संजय कनोडिया को प्रधान, अशोक गोयल को महासचिव, आशीष गोयल को कोषाध्यक्ष और अतुल ठुकराल को उपप्रधान नियुक्त किया गया। वहीं अशोक सिंगला को ऑल इंडिया वाइस प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में डॉ. विनोद अंचल और डॉ. नीतीश गोयल भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक में अशोक सिंगला, ऑल इंडिया वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि भिवानी जिला लंबे समय से हरियाणा स्टेट संगठन से पूरी तरह जुड़ा नहीं था, लेकिन अब नए संगठनात्मक ढांचे के साथ यह तालमेल मजबूत होगा। इससे जिले के दवा विक्रेताओं को राज्य स्तर पर सहयोग मिलेगा और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सकेगा।

बैठक के दौरान संजय कनोडिया, नव-नियुक्त प्रधान ने कहा कि नशा न बेचने और किसी भी तरह के नशे के कारोबार से दूर रहने की शपथ ली। साथ ही नकली दवाओं के बढ़ते खतरे पर चिंता जताते हुए ऑनलाइन माध्यम से बिक रही फर्जी दवाओं के प्रति सतर्क रहने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की गाइडलाइंस के अनुरूप ही दवा कारोबार संचालित किया जाएगा ताकि लोगों को सुरक्षित और प्रमाणित दवाएं मिल सकें। वहीं इस अवसर पर ललित मिड्ढा,अशोक मुंजाल,महेंद्र जैन,संजय गर्ग,नरेश कुमार,मनीष,भूषण सहित अनेक लोग मौजूद रहे। मेडिकल एंड ड्रग सोसाइटी की इस बैठक के जरिए जहां संगठन को नया नेतृत्व मिला, वहीं नशा मुक्त समाज और नकली दवाओं पर रोक लगाने का मजबूत संदेश भी दिया गया। नए पदाधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि दवा विक्रेताओं के हितों की रक्षा के साथ-साथ सरकार के सभी नियमों का पूरी जिम्मेदारी से पालन किया जाएगा।

भिवानी। नशा न बेचने की शपथ दिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

23 युवाओं ने किया रक्तदान

चरखी दादरी। आरोग्यम अस्पताल में डॉ. जयंत यादव एवं उनके भतीजे देवन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 23 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम में कपूर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। । अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विर की अध्यक्षता डॉ. पूजा यादव तथा रक्तवीर परिवार के संयोजक राजेश सोनी ने की। इस अवसर पर डॉ. जयंत यादव और डॉ. पूजा यादव ने रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों को सम्मानित कर उनके सेवाभाव की सराहना की। भिवानी से आई ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संग्रहण का कार्य किया। राजेश सोनी ने कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति को नया जीवन देने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी स्वस्थ नागरिकों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

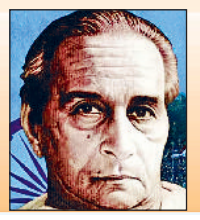

कहानी

डॉ. मधुकांत

डरा-सहमा बाप

भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था।

दोपहर का समय था। बाजार की गहमागहमी के बीच भूशरण अपनी कपड़े की छोटी सी दुकान में लकड़ी के पुराने काउंटर के पीछे बैठा था। पंखा अपनी पूरी रफ्तार से चल रहा था, लेकिन उसके माथे पर पसीने की बूंदें साफ चमक रही थीं। उसकी नजरें सामने की सड़क पर थीं, पर मन कहीं दूर अतीत की गलियों और भविष्य की चिंताओं में भटका हुआ था। तभी उसका पुराना मित्र रामेश्वर दुकान में दाखिल हुआ। उसने देखा कि भूशरण ने उसे आते हुए भी नहीं देखा।

रामेश्वर ने कंधे पर हाथ रखा, 'क्यों भूशरण भाई! आज किस दुनिया में खोए हो? ग्राहक खड़ा हो जाए तो शायद तुम्हें पता भी न चले।' भूशरण ने हड़बड़ा कर लंबी सांस ली, 'आओ रामेश्वर, बस यूँ ही... घर-गृहस्थी की बातें हैं।' रामेश्वर पास पड़े स्टूल पर बैठ गया और बोला, 'देखो भाई, चेहरा मन का दर्पण होता है। तुम्हारी आँखों की ये गहरी झुर्रियां बता रही हैं कि मामला मामूली नहीं है। सुना है दुख बांटने से हल्का होता है, शायद कोई समाधान ही निकल आए।' भूशरण का गला भर आया। उसने डबडबाई आँखों से कहा, 'रामेश्वर, समाज में हम 'लड़का-लड़का' कहकर छाती चौड़ी करते हैं, पर जब वही लड़का बड़ा होकर बाप को आँखें दिखाने लगे, तो कलेजा फट जाता है। बेटी राखी का विवाह किया तो लगा कंधों का बोझ उतर गया, पर यह धीरेंद्र... इसने तो नाक में दम कर रखा है। न पढ़ाई में मन लगाता है, न दुकान पर बैठता है। आवारागर्दी और बदतमीजी इसकी पहचान बन गई है।' रामेश्वर ने सहानुभूति से कहा, 'आजकल की हवा ही खराब है भूषण। पर तू एक काम कर, तू उसका बाप है, पर वो शायद तेरी बात न माने। तू चुपचाप उसके स्कूल जा और मास्टर जी से मिल। शिक्षक का भय और सम्मान आज भी बच्चों के मन में होता है।' अगले दिन भूशरण भारी मन से धीरेंद्र के स्कूल पहुँचा। गलियारे में चलते हुए उसे डर लग रहा था कि कहीं धीरेंद्र उसे देख न ले। वह प्रधानाध्यापक के कमरे में पहुँचा। मास्टर जी ने चश्मा ठीक करते हुए पूछा, 'जी, आप कौन? क्या काम है?' 'जी, मैं धीरेंद्र का पिता हूँ,' भूशरण ने हाथ जोड़कर कहा। मास्टर जी के तेवर बदल गए, 'अच्छा, तो आप हैं उसके पिता! धीरेंद्र तो एकदम नालायक है। कक्षा में पीछे बैठकर शोर मचाता है, दूसरों को पढ़ने नहीं देता और सुना है कि स्कूल के बाहर गलत लड़कों के साथ उठता-बैठता है। आप उसे घर पर कुछ कहते नहीं?'

भूशरण की आँखें झुक गईं। 'मास्टर जी, इसीलिए आपके पास आया हूँ। आप उसे समझाइए, थोड़ा डराइए। शायद आपकी बात मानकर वह सुधर जाए और सही रास्ते पर आ जाए।' फिर स्वर धीमा करते हुए उसने कहा, 'पर मास्टर जी, मेरा एक निवेदन है... उसे यह मत बताइएगा कि मैं शिकायत लेकर आया था।' मास्टर जी हैरान रह गए, 'क्यों भाई? आप उसके पिता हैं या कोई अजनबी? इतना डर क्यों? आजकल सरकार ने हमारे हाथ बांध रखे हैं कि हम बच्चों पर हाथ नहीं उठा सकते, पर आप तो उसे डांट सकते हैं।' भूशरण ने लाचारी से सिर हिलाया, 'मास्टर जी, आप नहीं समझेंगे। आजकल एक ही बेटा है। डर लगता है कि कहीं ज्यादा टोकने पर घर छोड़कर न भाग जाए या कुछ कर न बैठे। बस आप अपने स्तर पर देख लीजिए।' यह कहकर भूशरण एक अपराधी की तरह चुपचाप स्कूल से बाहर निकल आया। उसे नहीं पता था कि यह 'गोपनीयता' ज्यादा देर नहीं टिकेगी। दोपहर को जब धीरेंद्र स्कूल से लौटा, उसका चेहरा गुस्से से तमतमाया हुआ था। उसके दोस्तों ने उसे बता दिया था कि उसका 'बुड्ढा' बाप स्कूल में उसकी मुखबिरी करने आया था। घर में घुसते ही उसने जोर से बस्ता पटका। 'बापू! आपकी हिम्मत कैसे हुई स्कूल जाकर मेरी बुराई करने की?' धीरेंद्र चीखा। भूशरण के हाथ कांपने लगे, 'बेटा, मैं तो बस तुम्हारी भलाई के लिए...' 'चुप रहिए! आपने मुझे सबके सामने जलील किया है। अब देखिए मैं क्या करता हूँ!' धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई। रमी रोने लगी और भूशरण को कोसने लगी, 'क्यों गए थे स्कूल? देख लीजिए, अगर मेरे बेटे ने कुछ कर लिया तो मैं जान दे दूंगी।' भूशरण जो खुद डरा हुआ था, अब गिड़गिड़ाने लगा, 'बेटा धीरेंद्र, दरवाजा खोल दे। मैं कान पकड़ता हूँ, अब कभी स्कूल नहीं जाऊंगा। जो तू कहेगा वही होगा। बस बाहर आ जा।' घंटों के मिन्नतों के बाद धीरेंद्र ने दरवाजा खोला।

> धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

उसके चेहरे पर जीत की कुटिल मुस्कान थी। उसने जान लिया था कि उसके माता-पिता उसके 'गुस्से' के गुलाम हैं। समय बीतता गया, पर धीरेंद्र की आदतें नहीं बदलीं। दसवीं कक्षा में पहुँचते ही उसने नई मांग रख दी-मोटरसाइकिल।' बाबूजी, मुझे स्कूल जाने के लिए बाइक चाहिए। मेरे सभी दोस्तों के पास है,' उसने आदेशात्मक लहजे में कहा। भूशरण ने समझाने की कोशिश की, 'बेटा, अभी दुकान की हालत ठीक नहीं है। थोड़ा रुक जा, ग्यारहवीं में दिला दूंगा। 'धीरेंद्र का पारा चढ़ गया, 'हमेशा का यही रोना है! आपके पास मेरे लिए पैसे नहीं होते। ठीक है, अब मैं घर तभी आऊंगा जब बाइक आएगी।' वह गुस्से में घर से निकल गया। रात के दस बजे, फिर ग्यारह... धीरेंद्र नहीं लौटा। रमी का रो-रोकर बुरा हाल था। मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। भूशरण पागलों की तरह गलियों में उसे ढूंढ रहा था। रिश्तेदारों ने धीरेंद्र को ढूंढने के बजाय भूशरण को ही उपदेश देना शुरू कर दिया, 'भाई साहब, जमाना बदल गया है। बच्चों को प्यार से रखना पड़ता है। उसकी जिद पूरी कर देते तो क्या बिगड़ जाता?' अगली सुबह धीरेंद्र एक पार्क में बेंच पर सोता हुआ मिला। जब वह घर आया, तो भूशरण ने उसे गले लगाने के बजाय उसके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 'बेटा, तू घर आ गया, यही बहुत है। मैं कल ही उधार लेकर तुझे बाइक दिला दूंगा।' उस दिन भूशरण ने अपनी मेहनत की कमाई और स्वाभिमान, दोनों को उस लोहे की मशीन के बदले बेच दिया। बाइक आने के बाद धीरेंद्र के पंख और निकल आए। अब वह रात-रात भर बाहर रहने लगा। उसकी आँखों के नीचे काले घेरे और चाल में लड़खड़ाते कदम बता रहे थे कि वह नशे के दलदल में धंस चुका है। एक रात जब वह घर आया, तो सीधे भूशरण के सामने जाकर खड़ा हो गया। मुँह से शराब की बदबू आ रही थी। भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था। रमी ने एक दिन सुझाव दिया, 'सुनो, इसकी शादी कर देते हैं। सिर पर जिम्मेदारी आएगी तो शायद सुधर जाए।' भूशरण ने ठंडी सांस भरी, 'रमी, हम अपनी बला किसी और के गले डालने जा रहे हैं। उस बेचारी लड़की का क्या दोष जिसे हम इस नर्क में झोंकेंगे?' पर ममता और उम्मीद के आगे तर्क हार गए। एक गरीब परिवार की सुशील लड़की 'शैला' से धीरेंद्र का विवाह कर दिया गया। शुरुआत में लगा कि शायद चमत्कार हो गया है। धीरेंद्र घर पर रहने लगा। पर यह शांति तूफान से पहले की खामोशी थी। जल्द ही उसने शैला को पीटना शुरू कर दिया ताकि वह अपनी माँ के गहने या मायके से पैसे लाकर उसे दे। भूशरण अपनी बहू की चीखें सुनता, पर वह इतना 'डरा-सहमा' था कि बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। साल गुजरते गए। रमी का देहांत हो गया। भूशरण अब बिस्तर पकड़ चुका था। घर में अब एक नया सदस्य था—पोता 'अधीर'। अधीर जब बड़ा हुआ, तो उसने घर में क्या देखा? एक शराबी पिता जो माँ को मारता है और एक लाचार दादा जो बस कोने में पड़ा रहता है।

अधीर ने वही सीखा जो उसने देखा। वह भी नशे की दुनिया में चला गया। एक शाम का दृश्य बड़ा भयानक था। धीरेंद्र नशे में धुत्त होकर घर आया। उसने रसोई में जाकर शैला को खाने के लिए गाली दी और हाथ उठाया।' आज तुझे मार ही डालूंगा, रोज का किच-किच खत्म!' धीरेंद्र ने जैसे ही हाथ हवा में लहराया, एक मजबूत हाथ ने उसकी कलाई को बीच में ही दबोच लिया। वह अधीर था। उसकी आँखों में वही खून सवार था जो कभी धीरेंद्र की आँखों में अपने पिता के प्रति होता था। अधीर ने धीरेंद्र की कलाई इतनी जोर से मरोड़ी कि वह घुटनों के बल बैठ गया।' खबरदार! अगर आज के बाद माँ पर हाथ उठाया तो यह हाथ सलामत नहीं रहेगा,' अधीर की आवाज में ऐसी दरिंदगी थी कि धीरेंद्र का नशा हिरन हो गया। वह कांपने लगा। उसने आज पहली बार वह डर महसूस किया जो उसका पिता भूशरण सालों से महसूस कर रहा था। बैठक के कोने में बैठा बूढ़ा भूशरण यह सब देख रहा था। उसकी धुंधली आँखों से आंसू बह निकले। उसने देखा कि समय ने खुद को दोहराया है। धीरेंद्र ने जो बोया था, आज वही फसल काट रहा था। भूशरण ने एक लंबी और ठंडी सांस ली और बुदबुदाया, 'परमात्मा! यह चक्र कब रुकेगा? काश मैंने शुरू में ही इसे सही रास्ता दिखाया होता, काश मैं इतना डरा हुआ बाप न होता।' बाहर अंधेरा गहरा रहा था और घर के अंदर 'जैसी करनी वैसी भरनी' का सत्य साक्षात खड़ा था।

पुस्तक समीक्षा

मन की अनवरत यात्रा का काव्य-संसार

समीक्षक

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

कविता वह विधा है जो मनुष्य के अंतर्मन की अनकही अनुभूतियों को शब्दों का स्पर्श देती है। जब कोई कवि जीवन के सामान्य अनुभवों में छिपे असाधारण भावों को सहज भाषा में अभिव्यक्त करता है, तब उसकी रचनाएँ सीधे पाठक के हृदय तक पहुँच जाती हैं। रविकांत राऊत एक ऐसे कवि हैं, जिनकी लेखनी जीवन के साधारण अनुभवों में भी असाधारण संवेदनाओं का स्पर्श खोज लेती है।

उनका कविता-संग्रह 'देह रुकी, मन बह चला' इसी संवेदनशील दृष्टि और सृजनात्मक परिपक्वता का सुंदर उदाहरण है। यह संग्रह केवल कविताओं का संकलन नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन की यात्रा का जीवंत दस्तावेज है। इस संग्रह में कुल 46 कविताएँ संकलित हैं। स्पर्श से पहले, ख्वाबों का मिलन, डर लगता है, पतझड़, स्त्री के मन की राहें, अनाम ख़त, सत्य के अँधेरे में खिलते गुलाब, समय का सच, आत्मज्ञान, बोधिवृक्ष, रौशनी और कुछ तो बात रही होगी जैसी रचनाएँ जीवन के विविध रंगों को बड़ी आत्मीयता से सामने लाती हैं। हर कविता अपने भीतर एक अलग भावलोक रचती है और पाठक को कुछ देर ठहरकर स्वयं से संवाद करने के लिए प्रेरित करती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरल, सहज और प्रवाहपूर्ण भाषा है। कवि ने कहीं भी अनावश्यक शब्दाडंबर या कठिन प्रतीकों का सहारा नहीं लिया। यही कारण है कि साहित्य के नए पाठक भी इन कविताओं को बिना किसी कठिनाई के पढ़ और समझ सकते हैं। संग्रह की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि प्रत्येक कविता आकार में अपेक्षाकृत छोटी होते हुए भी अपने भीतर गहरे अर्थ समेटे हुए है। कवि कम शब्दों में अधिक कहने की कला जानते हैं। यही कारण है कि इन कविताओं को पढ़ते समय ऐसा लगता है मानो वे किसी और की नहीं, हमारे अपने जीवन की ही कहानी कह रही हों।

वास्तव में रविकांत राऊत का यह संग्रह संवेदनाओं, आत्मीयता और जीवन-दर्शन का सुंदर संगम है। इसकी सरलता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यह पुस्तक पाठक के मन में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ती है और यह विश्वास जगाती है कि देह चाहे थम जाए, पर मन की यात्रा कभी नहीं रुकती।

कवि कॉर्नर

कविता

प्रो. ज्योति राज

तीन तिगाड़ा...

नहीं होती कायरों की कोई आवाज
न ही होते हैं उड़ने को कोई परवाज

बस रेंगते हैं जमीन पर मुँह ऊपर को उठा
कुढ़ते हैं उड़ते हुए बादल को देख
दिल पर लगा बैठते हैं दूसरों की दिलदारी

नहीं होती झूठों की कोई जमीन
न ही होते हैं उनकी झूठ के कोई पाँव

बस शर्मसार करते हैं सच को बारम्बार
उढ़ाते हैं सत्य को मिथ्यावादिता के आवरण
परोस कर लाते हैं बकबका मीठा सा बना कर

नहीं होती जिह्वाखोरों की कोई लगाम
न ही होते हैं कोई नियम क़ानून क़ायदे

बस फिसल जाती है जीभ मक्खनी मलाई सी
चटखारे लेने की जद में भूल जाते हैं तहज़ीब सारी
मुँह खोल बैहूदगी से चबाते हैं लाफ़्ज़ों की तरकारी

नहीं होती हजम इन तीनों से वफ़ादारी की खुराक
न ही होते हैं ये तंदुरुस्त खाकर भरोसे की बूटी
ये तिगड़ी नहीं ला पाती कोई बड़ा जलजला

इनका प्रभाव सीमित समय के लिए ज़रूर होता है
यही क्षणिक पोषण इन्हें ज़िंदा बनाए रखता है

कविता

डॉ. कमलेश मलिक

दरवाज़े पर ईगो की दस्तक

व्यंग्य

आसिम अनमोल

शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता?

मैं ईगो हूं। मुझसे भली भांति सब परिचित हैं ही। मैं जिधर से गुज़रता हूं। लोगों की दृष्टि झुककर सलाम करने के लिए व्याकुल हो जाती है। लोग रोटी कम खाते हैं। भय ज्यादा खाते हैं मुझसे। समाज के घिसे-पिटे नियम क़ायदों से मेरा कोई लेना-देना नहीं होता। यह सब आम जनमानस के लिए बने हैं। मुझे नैतिक शास्त्र से कोई मतलब नहीं।

मैं दबाव शास्त्र में विश्वास करता हूं। मेरी जिधर से राह गुज़र होती है। वो रास्ते कर्फ्यू में तब्दील हो जाते हैं। ईगो का अपना सोचना है कि हम जितने सरल मानसिकता के होंगे, समाज उतना ही मुझे निगलने का प्रयास करेगा। इसलिए हम कठोर बने रहने की अहम भूमिका निभाने में जी-जान से लगे रहते हैं। कोई हमें कोसे या मुझ पर लाख़ टिप्पणी करता रहे। मुझ पर कोई सामाजिक या आसामाजिक असर नहीं पड़ता। बल्कि मेरे ईगो में सकारात्मक इज़ाफ़ा होता है। ईगो का अपने परिचितों के यहां आना-जाना भी ईगो की अपनी मर्जी पर निर्भर करता है। एक रोज़ ईगो का अपने ख़ास परिचित के यहां जाना हुआ। ईगो दरवाज़े पर पहुंचकर बोला, दरवाज़ा खोलो मैं ईगो हूं। अरे, आप मेरे द्वार पर? विश्वास ही नहीं हो रहा। आइए आइए। परिचित ने आश्चर्य से दरवाजा खोलते हुए कहा। मूड तो नहीं हो रहा था, बस यूं ही चला आया। ईगो ने अपनी ईगो दिखाते हुए कहा। चलिए आप आ ही गये ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। चाय बनवाता हूं आपके लिए, परिचित ने चाय ऑफर की। जैसे महंगाई आसमान छू रही है,वैसे ही ईगो का रेट बढ़ाते हुए कहा। नहीं, मैं चाय-वाय नहीं लेता। शुगर का ख्याल रखता हूं। बादाम-पिश्ते की दुद्धी पीकर आ रहा हूं। फल वगैरा भी जस्ट अभी खाए हैं। तुम्हारी चाय डियू रही, भविष्य में जरूर पीएंगे। कुर्सी पर बैठे हुए ईगो ने टांग पर टांग रखते हुए और सिगरेट को लाइटर से जलाते हुए अपनी ईगो में और चार चांद लगाये। आप शर्मा जी की बेटी की शादी के रिसेप्शन पर तो जाएंगे न ? पड़ोसी होने के नाते मैंने यूं ही पूछ लिया। पहली बात मेरे पास टाइम का झंझट बहुत है। दूसरी बात, शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता। ईगो ने अपने सम्मान के विपरीत न जाने की अपनी जन्मजात बीमारी का खुलासा किया। परिचित ने पूछा, यह बताइए कि आप इतना कम क्यों बोलते हैं? समाज अक्सर यदा-कदा आपके बारे में टिप्पणी करता रहता है। मैंने सहानुभूति जताते हुए ईगो से जुड़ने की कोशिश की। समाज को क्या पता मेरी मार्केट वैल्यू क्या है? किसी की तो है नहीं इसलिए किसी को अपनी परवाह क्यों हो भला। मुझे अपनी ईगो की टीआरपी बढ़ानी होती है। इसलिए इसमें खामोशी अख्तियार करना, गलतियां और सम्बन्ध बिगाड़ने जैसे बड़े-बड़े योगदान देने पड़ते हैं। इन सबमें कितनी मेहनत और कौशल छिपा होता है, ये गैर ईगो समाज क्या जाने। ईगो ने अपनी उच्च कोटि की गुणवत्ता का बखान करते हुए बड़े ही खूबसूरती से प्रकाश डाला। लेकिन सुनने में ये भी आता है कि आप भावनात्मक पहलू पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते? परिचित ने फिर कुरेदा। मेरी ईगो इतनी लचीली और कमजोर नहीं है, जो भावनाओं का शिकार होती फिरे। ईगो तो ईगो होती है। बिल्कुल सरकार की मानिद जैसा मन होता है वैसा करती है। उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। यहां तक कि कई बार ऐसा होता आया है कि पति-पत्नी के टूटते रिश्तों में भी ईगो ने अपनी महति भूमिका निभाई है।

कुछ हटकर

यूएक्स डिजाइन : युवाओं में शानदार करियर विकल्प

सेंट्रल डेस्क

करियर

डिजिटल युग में लगभग हर काम मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से होने लगा है। चाहे ऑनलाइन खरीदारी हो, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं या सरकारी योजनाएं, हर जगह उपयोगकर्ताओं को आसान और बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया जा रहा है। यही कारण है कि यूएक्स (यूजर एक्सपीरियंस) डिजाइन आज सबसे तेजी से उभरते करियर विकल्पों में शामिल हो गया है। इस क्षेत्र में ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ रही है, जो डिजिटल उत्पादों को उपयोगकर्ता के लिए सरल, सुविधाजनक और प्रभावी बना सकें। यूएक्स का पूरा नाम यूजर एक्सपीरियंस है।

इसका अर्थ है किसी वेबसाइट, मोबाइल एप या डिजिटल उत्पाद का उपयोग करते समय उपयोगकर्ता को कैसा अनुभव होता है। यूएक्स डिजाइनर का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता बिना किसी परेशानी के अपना काम आसानी से पूरा कर सके।

विशेषज्ञताएं

यूएक्स डिजाइनर केवल स्क्रीन को आकर्षक बनाने का काम नहीं करता, बल्कि वह उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और व्यवहार को समझकर पूरे उत्पाद को बेहतर बनाता है। उसके प्रमुख कार्य हैं।- उपयोगकर्ताओं की जरूरतों का अध्ययन करना।

- वेबसाइट या एप का प्रारंभिक खाका (वायरफ्रेम) तैयार करना।
- प्रोटोटाइप बनाकर उसकी जांच करना।
- उपयोगकर्ताओं से फीडबैक लेकर सुधार करना।
- डेवलपर्स और यूआई डिजाइनरों के साथ मिलकर अंतिम उत्पाद तैयार करना।

आवश्यक कौशल

- रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता
- उपयोगकर्ता व्यवहार को समझने की योग्यता-संचार कौशल
- डिजाइन थिंकिंग-फिग्मा, एडोबी एक्सडी जैसे डिजाइन टूल्स की जानकारी
- टीम में काम करने की क्षमता

प्रमुख सरकारी संस्थान

- प्रमुख सरकारी संस्थान-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) – अहमदाबाद, गांधीनगर, बेंगलुरु, भोपाल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा समेत विभिन्न परिसरों में डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे
- इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर (आईडीसी) में यूजर एक्सपीरियंस और इंटरैक्शन डिजाइन से संबंधित कार्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) गुवाहाटी– डिजाइन विभाग में यूजर-केंद्रित डिजाइन शिक्षा।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी)– डिजिटल और इंटरैक्शन डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।

कितना मिलता है वेतन

- फ्रेशर: लगभग 4 से 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष-2 से 5 वर्ष का अनुभव : 8 से 18 लाख रुपये प्रतिवर्ष-अनुभवी यूएक्स डिजाइनर:
- 20 लाख रुपये या उससे अधिक वार्षिक पैकेज प्राप्त कर सकते हैं।
- भविष्य उज्ज्वल : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन कारोबार के विस्तार के साथ यूएक्स डिजाइनरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सबसे अधिक अवसर देने वाले करियर विकल्पों में शामिल रहेगा।

पावस की सौगात

बीते दिनों के उदासीन बादल
गहरी उमस से उलझने लगे हैं

शोर मचा है बाहर भीतर
जब से पावस ऋतु है आई
प्रतीक्षारत थीं कब से आंखें
प्यासी धरा ने ली अंगड़ाई

जतन से ढके थे अंगार हमने
पवन की छुवन से सुलगने लगे हैं

माटी ने सोंधी खुशबू बिखेरी
भंवरों ने छेड़ा राग सुहाना
फूलों से मिलकर मकरंद लेने
तितली ने ढूंढा सुंदर बहाना

विधना की रचना कितनी निराली
हम भी कुछ कुछ समझने लगे हैं

वर्षा की बूंदे बरसें छमाछम
चातक रटे है पीहू- पीहू
नाचे मयूरा मदमस्त होकर
कोयल भी गाये कुहू- कुहू

बारिश ने पुलकित किया सृष्टितन
उपवन के अवयव संवरने लगे हैं

चंपा-चमेली, गुड़हल की लाली
बोलो तुम्हें क्या सौगात दे दें
आंसू के जल से गीला आंचल
बस अंजलि भर बरसात दे दें

अंतरघट में सहेजे हुए जो
उद्गार भी अब छलकने लगे हैं

मोटिवेशनल

भीतर की जीत से शुरू होता है नई राहों का सफर

आज का युवा जीवन अपने जीवन का सबसे परिवर्तनशील दौर जी रहा है। एक ओर अनगिनत अवसर सामने हैं, तो दूसरी ओर प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता का दबाव। हर दूसरे कदम पर तुलना, सोशल-मीडिया की चमक, और "तुरंत सफलता" का प्रलोभन युवाओं को भीतर से थका देता है। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि नई राहों का सफर बाहर की दुनिया से नहीं, बल्कि भीतर की मानसिक शक्तियों से शुरू होता है। सफलता का असली रथ 'प्रतिभा' नहीं, बल्कि दृढ़ता, निरंतरता एवं धैर्य है। हमारी पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि अवसर कम हैं, बल्कि यह है कि मन बिखरा हुआ है। कई बार युवा अपने हुनर या सपने से पहले ही हार मान लेते हैं, सिर्फ़ इसलिए कि उन्हें लगता है कि राह कठिन है। जबकि सच यह है कि हर कठिन राह के पीछे किसी बड़ी जीत की संभावना छिपी होती है। दुनिया का हर सफल इंसान पहले असफल व्यक्ति रहा है जो डटा रहा, टिका रहा और सीखता रहा। आज तकनीक ने नई दिशाएँ खोली हैं। कौशल सीखना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहा। आज एक मोबाइल फोन से हजारों कोर्स, मार्गदर्शन और प्रेरणादायक सामग्री उपलब्ध है, लेकिन सब कुछ उपलब्ध होने के बावजूद बहुत से युवा आगे क्यों नहीं बढ़ पाते? क्योंकि व्यक्ति तभी बढ़ता है, जब उसके अंदर 'स्व-अनुशासन' पैदा होता है। परिस्थितियाँ नहीं, मानसिकता रास्ता तय करती है। जो व्यक्ति खुद को बदलने का साहस जुटा लेता है, दुनिया की कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती। हर कौशल, हर करियर और हर मंजिल की शुरुआत एक छोटे से कदम से होती है और वह कदम है आत्मप्रेरणा। कोई भी बाहरी शक्ति उतना बड़ा फर्क नहीं ला सकती, जितना फर्क आपका अपना मन, अपनी सोच और अपनी निरंतरता ला सकती है। यही कारण है कि आज के समय में सबसे बड़ा निवेश "डिग्री" नहीं बल्कि सीखने की आदत, काम के प्रति अनुशासन और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। जो युवा इन तीन चीजों को साध लेता है, वह किसी भी नौकरी, किसी भी उद्योग, किसी भी परीक्षा में अपना स्थान बना सकता है। युवाओं को बस यह याद रखना चाहिए कि सपने तभी पूरे होते हैं, जब हम उनके लिए भीतर से तैयार हों। जीत वहीं लिखी जाती है, जहां मन हिम्मत नहीं छोड़ता। नई राहों के अवसर पहले से अधिक हैं, बस कदम बढ़ाने की जरूरत है।

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

लघु कथा

किरकिरी

विश्वविद्यालय में जल दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी से लौटते हुए राहुल के शब्दों में बेचैनी थी।

'बचपन से सुन रहे हैं— गरीबी हटाओ, जल बचाओ, विकास लाओ। हर साल बाढ़ आती है, हर गर्मी में पानी का संकट खड़ा हो जाता है। बदलता क्या है? बस सरकारी रिपोर्टों के आँकड़े।'

रमेश ने कहा, 'समस्या केवल बारिश की नहीं, व्यवस्था की है।'

बात वहीं खत्म नहीं हुई।

अगले सप्ताह सोलह जागरूक छात्रों ने एक समूह बनाया। शहर के सोलह मोहल्ले चुने। उन्होंने तय किया कि शिकायत नहीं, शुरुआत करेंगे। घर-घर गए, लोगों को समझाया कि शहर को लंदन बनाने से पहले शहर को अपने ही देश की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो के ड्रेनेज सिस्टम जैसी बेहतरीन व्यवस्था अपनाने की जरूरत है। साथ ही पिन्नियों,प्लास्टिक को टाटा बाय करने की जरूरत है; जिससे जल का प्राकृतिक बहाव बना रहे।

नील मणि

कहानीकार

जल निकासी व्यवस्था और जल संरक्षण व्यवस्था सुचारू करने के लिए घर व छतों का जल पाइपों से पार्कों और रिचार्ज गड्ढों तक पहुँचाया जाए। छात्रों ने घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया; निवासियों को विश्वास में लिया और साथ में निवासियों का अनुभव भी जोड़ा। छात्रों ने वर्षा जल संचयन विशेषज्ञ को भी साथ लिया।

कुछ महीनों बाद मानसून आया।

इस बार वही मोहल्ले पानी में नहीं डूबे। हैंड-पंपों का जल-स्तर ऊपर आया। पार्क हरे थे, गलियाँ सूखी थीं।

स्थानीय अख़बार ने शीर्षक छापा—

'जहाँ सरकार नहीं पहुँची, वहाँ छात्रों ने व्यवस्था को पहुँचा दिया।'

शैतानी वर्ग के बड़े ठेकेदारों और व्यापारियों के कान खड़े हो गए और वह छात्र समूह शैतान वर्ग की आँखों की किरकिरी बन गया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कांग्रेस ने निकाला विजय मार्च

■ धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश के युवाओं व राहुल गांधी के संघर्ष एवं न्याय की जीत : राव नरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद विजय मार्च निकालते कांग्रेसी। फोटो : हरिभूमि

नीट पेपर लीक मामले के बाद गुस्साएं विद्यार्थियों व विपक्ष के आंदोलन के दबाव में केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पद से इस्तीफे के बाद भिवानी में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार भिवानी में पार्टी कार्यकर्ताओं ने विजय मार्च निकाला। विजय मार्च का नेतृत्व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने संयुक्त रूप से की। विजय मार्च शहर के नेहरू पार्क से शुरू होकर सराय चौपटा स्थित पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल की प्रतिमा के सामने संपन्न हुआ। विजय मार्च में कांग्रेस नेता, छात्र और युवा कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और तिरंगा थामे केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। विजय मार्च के समापन पर जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने इसे देश के युवाओं और छात्रों की ऐतिहासिक जीत करार दिया। उन्होंने कहा कि विजय मार्च देश के उन करोड़ों छात्रों और युवाओं को समर्पित है जो परीक्षाओं में धांधली और भ्रष्टाचार से त्रस्त थे। यह राहुल गांधी के दृढ़ और निडर नेतृत्व का परिणाम है कि सरकार को अंततः झुकना पड़ा और शिक्षामंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। राहुल गांधी ने सड़क से लेकर संसद तक युवाओं की आवाज को लगातार उठाया और सरकार को इस कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया। कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने कहा कि छात्र-युवा विरोधी नीतियों और नीट-नेट जैसी परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों के खिलाफ जनता का आक्रोश चरम पर था। केंद्र सरकार लंबे समय से मामले में अपनी जवाबदेही से भाग रही थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी के निरंतर दबाव व जन-आंदोलन के आगे सरकार का अहंकार टूट गया। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा केवल शुरुआत है, जब तक पूरी व्यवस्था को पारदर्शी नहीं बनाया जाता, कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि विजय मार्च इस बात का प्रमाण है कि लोकतंत्र में जनता व छात्रों की ताकत के आगे किसी भी तानाशाही सरकार को झुकना ही पड़ता है।

ये रहे मौजूद

पूर्व विधायक डॉ. शिवशंकर भारद्वाज, कमल सिंह प्रधान, संदीप सिंह, धीरज सिंह, कांग्रेस कमेटी शहरी के जिला उपाध्यक्ष ईश्वर शर्मा, मास्टर जयबीर नाफरिया, सविता मान, अरविंद बामला ढिल्लू, विरेंद्र सिवाच, देवराज महता, समीर खटीक, कुलवंत कोंटिया, अमन राघव व दीपेश सारसर मौजूद रहे।

जनता की आवाज को नहीं किया जा सकता नजर अंदाज: सुशील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जिला कांग्रेस कमेटी दादरी ने शनिवार को शहर में विजय मार्च निकाला। जिला अध्यक्ष सुशील की अध्यक्षता में आयोजित विजय मार्च लाला लाजपत राय चौक से शुरू होकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक तक पहुंचा। जिला अध्यक्ष सुशील ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देशभर के युवाओं के संघर्ष, लोकतांत्रिक दबाव और छात्रों की आवाज को मजबूती से उठाने वाले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निरंतर प्रयासों की जीत है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर जनता की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विजय मार्च में पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रणसिंह मान, राष्ट्रीय किसान कांग्रेस के कन्वीनर राजू मान, सेवादल जिलाध्यक्ष जयभगवान मांढी, संगठन महासचिव अधिवक्ता आनंद बिजारणियां, उपाध्यक्ष सुरेश पांडवानिया, रामनिवास पिचोपा, राजेश पातुवास, अधिवक्ता बलवान सिंह आदि शामिल हुए ।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लोकतंत्र की जीत: प्रदीप

तोशाम। कांग्रेस के जिला महासचिव प्रदीप बंसल ईशरवाल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों की सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की ताकत और छात्रों के शांतिपूर्ण संघर्ष की जीत है। उन्होंने कहा कि जब युवा अपने अधिकारों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाते हैं, तो सरकार का दायित्व उनकी बात सुनना होता है। यदि सरकार जनता की भावनाओं की अनदेखी करती है, तो अंततः उसे जनता के सामने जवाब देना पड़ता है। प्रदीप बंसल ने कहा कि युवाओं का ये आंदोलन इस बात का संदेश है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे बड़ी होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तानाशाही और अहंकारी कार्यशैली के कारण छात्रों को लंबे समय तक आंदोलन करना पड़ा, लेकिन अंत में सत्य और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा छात्रों, युवाओं और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़ी रही है और आगे भी शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता तथा जवाबदेही की मांग करती रहेगी।

न्यूज डायरी

छात्रों के हित सर्वोपरि : सांसद धर्मबीर सिंह

चरखी दादरी। भाजपा सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार परीक्षाओं की पारदर्शिता बनाए रखने और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त कानून बनाया है, जिसमें दोषियों के लिए 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। विधायक सुनील सांगवान और बाढड़ा के विधायक उमेद पातुवास के साथ दादरी में आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद धर्मबीर सिंह ने विपक्ष द्वारा पेपर लीक के मुद्दे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष समाधान खोजने के बजाय केवल राजनीति कर रहा है।

बाढ़ड़ा में चलाया पौधरोपण अभियान

चरखी दादरी। बाढड़ा खंड के सहायक समन्वयक सुंदरपाल फौगाट ने क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के सहयोग से व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया। इस अवसर पर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया गया। फौगाट ने कहा कि पेड़ लगाना किसी को जीवनदान देने के समान पुण्य कार्य है। आज लगाया गया छोटा पौधा भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर समाज और प्रकृति का रक्षक बनता है।

विधायक सांगवान ने सुनीं जन समस्याएं

चरखी दादरी। विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को अपने कैंप कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र भर से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में काफी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के नागरिक पहुंचे, जिन्होंने बिजली, पेयजल, सड़क, सीवरेज, राजस्व, पेंशन तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित शिकायतें विधायक के समक्ष रखीं। विधायक सुनील सांगवान ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

अमर शहीदों की स्मृति में स्कूल में लगाए पौधे

चरखी दादरी। कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में दादरी के वैश्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन मोतीलाल बिन्दल, मैनेजर विनोद गुप्ता तथा प्राचार्या रीतू शर्मा ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों की पावन स्मृति में सहजन, शमी एवं रत्नज्योत के पौधे रोपे तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष निस्वार्थ भाव से मानव और प्रकृति के कल्याण के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर देते हैं। उसी प्रकार हमारे वीर सैनिक मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देते हैं। उनके त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेते हुए प्रत्येक नागरिक को भी अपने जीवन में देशसेवा और समर्पण की भावना को अपनाना चाहिए। विद्यालय परिवार ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस और शौर्य को नमन किया।

अभाविप जिले में 6000 सदस्य बनाएगी

चरखी दादरी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दादरी द्वारा नए शैक्षणिक सत्र के तहत सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के माध्यम से जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में संपर्क कर विद्यार्थियों को परिषद से जोड़ा जाएगा। इस वर्ष परिषद ने जिले में 6000 सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अवसर पर अभाविप के जिला संयोजक कार्तिक हिंदू ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जो अपने ध्येय वाक्य ज्ञान, शील, एकता को आत्मसात करते हुए छात्रहित और राष्ट्रहित में सतत कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि परिषद विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता और सेवा भाव का विकास करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है।

राम स्कूल ने आठ विद्यार्थियों को किया सम्मानित

चरखी दादरी। नीट यूजी-2026 परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाले श्री राम पब्लिक स्कूल, कान्हड़ा के आठ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।सम्मानित विद्यार्थियों में अंजलि बेरला, चंचल बेरला, दीप्ति, डिंपी, एकता, दिव्या, नयनु और पारुल शामिल रहीं। समारोह का शुभारंभ सभी सफल छात्राओं को तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर तथा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करने से हुआ। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग प्रदान किया। विद्यालय के प्राचार्य अमित जाखड़, उप-प्राचार्या मंजू सांगवान तथा प्रबंधन समिति की ओर से अजय, सुमन और नीलम ने सभी विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न और उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

बहल। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कस्बे के शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, सैन्य अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। कर्नल ब्रह्मसिंह बिधनोई ने कहा कि देश के वीर जवानों के त्याग, साहस और बलिदान की बदौलत ही देशवासी आज सुरक्षित और खुली हवा में सांस ले रहे हैं। कारगिल के रणबांकुरों ने कठिन परिस्थितियों में दुश्मनों को परास्त कर भारत का गौरव बढ़ाया। उनका बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

न्यूज डायरी

आदर्श वमावि बौंद में गूंजे राष्ट्रभक्ति के स्वर

चरखी दादरी। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कारगिल विजय दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता एवं कारगिल के अमर शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन रखकर की गई। इस दौरान कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस और शौर्य को नमन किया गया। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग, पेंटिंग, स्लोगन लेखन, कविता पाठ और देशभक्ति गीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। देशभक्ति गीतों और नारों से पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। निदेशक प्रताप सिंह यादव ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस का प्रतीक है।

कारगिल के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

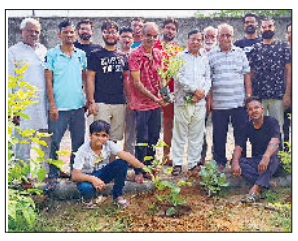

चरखी दादरी। पंजाबी सभा आदर्श धर्मशाला चरखी दादरी की ओर से रविवार को शहर के रामबाग में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत 101 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। इनमें त्रिवेणी, इमली, जामुन, तुलसी सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। सभा के प्रधान साहिल चराया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। पेड़-पौधे प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, जो शुद्ध वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करनी चाहिए। सभा के मीडिया प्रभारी कमल तनेजा ने बताया कि अभियान में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प दोहराया।

बालाजी मंदिर परिसर में 131 पौधे लगाए

बाढ़ड़ा। गांव माण्डी केहर स्थित बालाजी मंदिर परिसर में रविवार को पौधारोपण अभियान के तहत 131 पौधे लगाए गए। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में अशोक सरपंच ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए पौधारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी ग्रामीणों से पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करने का भी आह्वान किया। समाजसेवी प्रीतम शर्मा ने कहा कि एक पेड़ अनेक पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, छाया और बेहतर पर्यावरण प्रदान करता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर राजपाल डांगी, सफाई कर्मचारी सुभाष, विजय, अजय, संजय, दिनेश पूजारी सहित अन्य ग्रामीणों ने भी पौधरोपण में भाग लिया ।

हनुमान जोहड़ी मंदिर में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भिवानी। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति द्वारा स्थानीय हनुमान ढाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर धाम प्राचीन बावड़ी परिसर के पास पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता का संदेश भी रहा। इस अवसर पर भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों की परवाह किए बिना सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसे अमर शहीदों का सम्मान केवल श्रद्धांजलि अर्पित करने तक सीमित नहीं होना चाहिए।

श्री श्याम गुणगान महोत्सव को लेकर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

श्री श्याम दीवाने सेवा दल एवं सहारा भवन ट्रस्ट गांधी नगर द्वारा आयोजित किए जाने वाले 7वें तीन दिवसीय श्री श्याम गुणगान महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। रविवार को सहारा भवन में आयोजित बैठक में विभिन्न समितियों का गठन कर पदाधिकारियों और सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक की अध्यक्षता संस्था के प्रधान शुभम गोयल ने की, जबकि संचालन महासचिव भूपेंद्र कौशिक ने किया। पदाधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष का आयोजन दादरी के सबसे भव्य धार्मिक आयोजनों में शामिल होगा। संस्था के संरक्षक दीपक वर्मा ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 30 सितंबर को विशाल रक्तदान शिविर से होगा। इसके बाद एक अक्टूबर को भव्य श्री श्याम संकीर्तन तथा 2 अक्टूबर को विशाल अमृतमय भंडारे का आयोजन किया जाएगा। प्रधान शुभम गोयल ने बताया कि रक्तदान शिविर में 300 से अधिक यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी रक्तदाताओं को संस्था की ओर से निशुल्क हेलमेट भेंट किए जाएंगे, जिससे रक्तदान के साथ सड़क सुरक्षा के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जा सके। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। एक अक्टूबर को आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में विश्वविख्यात भजन गायक कन्हैया मित्तल , भजन गायिका प्रेरणा मित्तल और भजन गायक गौरव दत्त प्रस्तुतियां देंगे।

निर्मला परमार ने पति की पुण्यतिथि पर लगाए 51 पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

पर्यावरण संरक्षण को लेकर भारतीय सेना में राजपूत 16 रेजिमेंट में सूबेदार मेजर के पद पर गौरवपूर्ण सेवाएं दे चुके स्वर्गीय यशपाल सिंह परमार की सत्रहवीं पुण्यतिथि पर उनकी धर्मपत्नी वरिष्ठ समाजसेवी निर्मला परमार रेवाड़ी खेड़ा ने रविवार को राजकीय प्राथमिक पाठशाला रेवाड़ी खेड़ा में 51 फलदार पौधे लगाए। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वर्गीय यशपाल सिंह परमार को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना भी रहा। इस अवसर पर निर्मला परमार ने भावुक होकर अपने पति को याद करते हुए कहा कि यशपाल सिंह परमार ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा देश की सेवा के लिए समर्पित किया था। उन्होंने भारतीय सेना में सूबेदार मेजर के पद पर रहते हुए अनेक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का बहादुरी से सामना किया था। आतंकवाद विरोधी अभियानों में भी उन्होंने साहस का परिचय दिया।

कारगिल विजय दिवस पर बार एसो.ने जीता टी-20 मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर तोशाम स्थित चौधरी सुरेंद्र सिंह क्रिकेट ग्राउंड में बार एसोसिएशन तोशाम और मीडिया इलेवन टीम के बीच एक रोमांचक टी-20 क्रिकेट मुकाबला खेला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भिवानी जिला परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि एवं क्रेशर एसोसिएशन के पूर्व प्रधान कृष्ण मलिक ने बतौर मुख्य अतिथि किया। इस अवसर पर डॉ. विष्णु दत्त शास्त्री, पवन कुमार, अशोक कुमार भारद्वाज, आजाद नेहरा, प्रदीप श्योराण, रवि शर्मा, संजय बिष्ट, नरेश शर्मा, दीपक कुमार, कुलदीप, मोनू, भीष्म, सुमित कुमार, एडवोकेट वी.एस. ढांगर, युद्धवीर, कप्तान दीपक शर्मा, मनजोत सिंह, सुरेंद्र कुमार, अभय ग्रेवाल, रवि जांगड़ा, नवीन कुमार, अनिल लांबा, सतीश उर्फ भीरि, पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र आदि मौजूद रहे।

पौधे लगाकर देखभाल करना सबकी जिम्मेदारी

भिवानी। पर्यावरण प्रदूषण निरंतर बढ़ता जा रहा है, जिसको केवल पौधों के सहारे ही कम किया जा सकता है, ये बात चौधरी बंसीलाल पार्क में चौकीदार एवं वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के सदस्य हरिराम ने पौधरोपण करते हुए कही। उन्होंने कहा कि केवल पौधें लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखरेख करना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि अब वर्षा का मौसम आरंभ हो चुका है, वे अधिक से अधिक पौधें लगाकर उनकी देखरेख करें व पुण्य के भागी बने। पर्यावरण प्रेमी रणसिंह सिगड़ व सेवानिवृत्त जेई रामजीलाल ने संयुक्त रूप से कहा कि पौधों के बिना पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है। पौधें हैं तो जीवन है, इसलिए पौधरोपण अभियान चलाकर प्रकृति को हरा-भरा बनाना चाहिए।

लिटल हार्टियन्स में कारगिल दिवस मनाया

भिवानी। लिटल हार्टस कॉन्वेन्ट स्कूल, भिवानी में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर यूकेजी कक्षा के विद्यार्थियों की विशेष सभा का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने देश की सेना के वीर सैनिकों के किरदार निभाते हुए देशभक्ति के संदेश दिये। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एम.डी. पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि इस अवसर पर लिटल हार्टस कॉन्वेंट स्कूल, भिवानी में युकेजी कक्षा के बच्चों द्वारा देशभक्ति नृत्य देश मेरा रंगीला, देश भक्ति गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगो' प्रस्तुत किए गए व नन्हे-मुन्हे विद्यार्थियों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन कर सबका मन जीत लिया।

योगाचार्य जेई बिजेश जावला के 19 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर लगाए 51 पौधे

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को पौधरोपण कर दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में पौधे वितरित करते हुए।

कीर्ति नगर स्थित स्वतंत्रता सेनानी पं. नेकी राम शर्मा पार्क वं ढाना रोड पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल के अमर शहीदों की स्मृति में 51 पौधों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर संस्था के पर्यावरण रक्षक एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कार्यरत योगाचार्य जेई बिजेश जावला के सरकारी सेवा के 19 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर उनका अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर योगाचार्य जेई बिजेश जावला वं पार्क समिति के प्रधान राजकुमार शर्मा (सेवानिवृत्त बीडीपीओ) ने संयुक्त रूप से कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि देशभक्ति, वीरता और बलिदान का प्रतीक है। कारगिल के अमर शहीदों के सम्मान में पौधारोपण करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए, ताकि शहीदों की स्मृति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक पहुंचे।

उपप्रधान रतिराम सैनी एवं सेवानिवृत्त कर्नल उमेद सिंह सिवाच ने संयुक्त रूप से कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की सीमाओं की रक्षा की, जिसका ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता। युवाओं को शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। पौधारोपण से पर्यावरण सुरक्षित होगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित भारत मिलेगा।

ये रहे मौजूद

राजकुमार शर्मा, सचिव भीम सोपूर्णा, भीम कपूर, रतिराम सैनी, कर्नल उमेद सिंह सिवाच, बलवंत नागर, धर्मबीर रंगा, रामनारायण रोहिल्ला, रामनिवास, नरेश द्वारका, सुरेश, बलबीर रंगा, मिल्छाराम शर्मा, कृष्ण भारद्वाज, अनेक गुप्ता, मधवीर परवारी, रमेश गोस्वामी, रामकुमार, ईश्वर शास्त्री, जितेंद्र आर्य, कुलदीप, धर्मचंद्र शर्मा, खुशीराम शर्म आदि मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों के आवास पर प्रदर्शन का लिया फैसला

भिवानी। गांव प्रेमनगर में पिछले 6 वर्षों से जारी अनिश्चितकालीन धरने पर रविवार को संघर्ष के साथ-साथ समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण की एक नई झलक देखने को मिली। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर धरना स्थल पर पौधारोपण कर न केवल देश के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई, बल्कि पर्यावरण बचाओ का सशक्त संदेश भी दिया गया। धरना स्थल पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष कर्ण सिंह गोठड़ा तथा समाजसेवी मास्टर सतबीर रतेरा ने संयुक्त रूप से पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों व आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए कारगिल के वीर जवानों के बलिदान को याद किया। धरने को संबोधित करते हुए कांग्रेस पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष कर्ण सिंह गोठड़ा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय को गांव प्रेमनगर में स्थापित करना स्वीकृत किया था। उस समय सरकार की मंशा विश्वविद्यालय की स्थापना के उपरांत स्थानीय ग्रामीणों को नौकरियों में आरक्षण देने की भी थी।

खबर संक्षेप

पूर्व चेयरमैन राजीव श्योराण का निधन

लोहारू। बीती रात लोहारू निवासी मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन राजीव श्योराण का 45 वर्ष की आयु में असामयिक निधन हो गया। तीन दिन पहले उन्हें पेट की बीमारी के चलते गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया था। उनके निधन की सूचना से लोहारू और आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। घटना से दुःखी पूर्वमंत्री दलाल ने अपने रविवार के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए। रविवार सुबह उनके पैतृक गांव फरटिया ताल में अंतिम संस्कार किया।

धर्म की स्थापना को लेते अवतार: डॉ. विनय

भिवानी। कुंगड़िया मंदिर में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के पांचवें दिन कथा व्यास आचार्य डॉ. विनय मिश्रा ने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य अवतार, बाल लीलाओं एवं धर्म स्थापना के उद्देश्य पर अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रेरणादायक प्रवचन किया। आचार्य डॉ. मिश्रा ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान अपने भक्तों की रक्षा और धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। डॉ. मिश्र ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, करुणा, नीति और धर्म का अद्भुत संदेश देता है।

बड़ी सौगात: अनाज मंडी बनी मार्केट कमेटी

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों और आमजन के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बवानीखेड़ा अनाज मंडी को आधिकारिक रूप से मार्केट कमेटी का दर्जा प्रदान कर दिया गया है। इस ऐतिहासिक निर्णय से क्षेत्र में कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। मार्केट कमेटी का दर्जा मिलने से किसानों को बेहतर सुविधाएं, फसलों के विपणन में अधिक पारदर्शिता तथा मंडी के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। इस उपलब्धि का श्रेय क्षेत्र के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, मार्केट कमेटी चेयरमैन राजेंद्र हंस, नगरपालिका चेयरमैन सुंदर अत्री एवं उनकी पूरी टीम के निरंतर प्रयासों को दिया जा रहा है।

गरीब आदमी के जीवन उत्थान के लिए कार्य कर रही है सरकार: धर्मबीर सिंह

अंत्योदय परिवार उत्थान मेला: 19 विभागों ने स्टाल लगाकर दी जानकारी

भिवानी। अंत्योदय परिवार उत्थान मेले का अवलोकन करते विधायक घनश्याम सर्राफ तथा अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में अधिकारियों को दिशा निर्देश देते सांसद।

- सरकार द्वारा गरीब परिवारों को दिया जा रहा जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रविवार को पंचायत भवन में विधानसभा क्षेत्र के लिए समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले का आयोजन किया गया। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह और भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ ने मेले में मुख्य रूप से शिरकत की।

उन्होंने मेले में विभिन्न 19 विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि गरीब परिवारों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सरकार की योजनाओं का लाभ देकर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। अंत्योदय मेले में एडीसी दीपक बाबूलाल करवा और एसडीएम महेश कुमार और नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि एवं पार्षद भवानी प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। स्टालों का अवलोकन करने के दौरान सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए विशेष रूप से योजनाएं लागू कर रही है ताकि वे समाज की मुख्य धारा में आ सकें और उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सके। सांसद ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि अंत्योदय परिवारों के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देकर उनको रोजगार मुहैया करवाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेशानुसार प्रदेशभर के जिलों में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत मेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बुलाया गया है। इन मेलों में गरीब परिवारों के उनकी इच्छा और योग्यता के आधार पर योजनाओं का लाभ देने के लिए आवेदन करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारियों को सरकार और जिला प्रशासन द्वारा भी निर्देश दिए गए हैं कि वे गारंटी की कोई शर्त ना लगाएं। बिना देरी के जरूरतमंद लोगों को ऋण प्रदान करें।

पात्र योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे : विधायक

भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि सरकार गरीब आदमी के साथ में खड़ी है। सरकार का हर संभव प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति गरीब ना रहे। हर व्यक्ति की आय सालाना एक लाख 60 हजार रुपए से ऊपर हो। इसी के चलते अंत्योदय में का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में लोगों का जीवन खुशहाल हुआ है। सरकार हर वर्ग के लिए योजनाएं लागू कर रही है। इस दौरान मेले के ऑल ओवर इंचार्ज एडीसी दीपक बाबूलाल करवा और मेले के नोडल अधिकारी एसडीएम महेश कुमार ने बताया कि मेले में एक लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों को फोन से सूचना देकर बुलाया गया है। मेले में वेलकम डेस्क पर जानकारी दी गए। इसके बाद काउंसलिंग टीम के सदस्यों ने उनकी आवश्यकता के अनुसार संबंधित योजना के लिए यहां पर स्थापित किए गए काउंटर पर भेजा। लाभार्थियों के दस्तावेज पूरे करवाए गए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

इन प्रमुख विभागों ने लगाई स्टाल

अंत्योदय मेले में ग्रामीण विकास, हरियाणा अनुसूचित जाति और वित्त एवं विकास निगम, सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, बागवानी विभाग, हरियाणा स्किल डेवलपमेंट मिशन, हरियाणा बैकवर्ड क्लासिस एवं इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन निगम, हरियाणा रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा महिला विकास निगम, रोजगार विभाग, बाल कल्याण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, एमएसएमई, हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज निगम लिमिटेड, ग्रामीण आजीविका मिशन, डेयरी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन फेडरेशन, विकास एवं पंचायत विभाग, उद्योग एवं वाणिज्य विभागों द्वारा स्टाल लगाई गई। अधिकारियों ने लोगों को योजनाओं के लाभ के लिए जानकारी दी गई। मेले में बीडीपीओ नवीन मलिक, सहायक रोजगार अधिकारी दीपक शर्मा, जिला कल्याण अधिकारी देवेंद्र कुमार, जिला बागवानी अधिकारी देवी लाल, मत्स्य अधिकारी बलबीर सिंह सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

भिवानी। मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपने जाते हुए। फोटो : हरिभूमि

अंतर-जिला तबादला ड्राइव जल्द शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- 2017 बैच के जेबीटी शिक्षकों ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

हरियाणा के वर्ष 2017 बैच के सैकड़ों जेबीटी अध्यापकों ने रविवार को करनाल में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। इस दौरान अध्यापकों ने अपनी अंतर-जिला तबादला संबंधी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा और नई ट्रांसफर पॉलिसी के तहत सबसे पहले जेबीटी संवर्ग की तबादला प्रक्रिया शुरू करने की गुहार लगाई। शिक्षकों ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से अपने गृह जिलों से 200 से 300 किलोमीटर दूर कार्यरत हैं, जबकि उनके गृह और आसपास के जिलों में पद रिक्त पड़े हैं। दूरदराज क्षेत्रों में पोस्टिंग के कारण शिक्षकों, विशेषकर महिला अध्यापिकाओं को पारिवारिक जीवन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व में विभाग द्वारा अंतर-जिला तबादला सूची जारी की गई थी, लेकिन अदालत के हस्तक्षेप और नई नीति बनाने के निर्देशों के चलते वह प्रक्रिया निरस्त हो गई थी। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहीं जेबीटी अध्यापिका बबिता ने समस्या साझा करते हुए कहा कि यदि शिक्षा विभाग अंतर-जिला तबादला प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर सबसे पहले शुरू नहीं करता है, तो हजारों महिला अध्यापिकाओं को इसका वास्तविक लाभ नहीं मिल पाएगा। जेबीटी एक जिला कैडर का पद है, जबकि पीजीटी व टीजीटी स्टेट कैडर के पद हैं। बड़ी संख्या में महिला अध्यापिकाओं के पति शिक्षा विभाग में पीजीटी व टीजीटी या अन्य पदों पर कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि यदि जेबीटी शिक्षकों का अंतर-जिला स्थानांतरण पहले हो जाता है, तो उनके जीवनसाथी भी अपनी तबादला प्रक्रिया के दौरान उसी जिले का विकल्प चुन सकेंगे। इससे वर्षों से दूर रह रहे हजारों परिवारों को एक साथ रहने का अवसर मिलेगा। उन्होंने मांग की प्रिंसिपल, हेडमास्टर और अन्य संवर्गों से पहले जेबीटी अध्यापकों का अंतर-जिला तबादला किया जाए, 2017 बैच के शिक्षक अपने गृह जिलों से 200 से 300 किमी दूर सेवाएं देने को मजबूर हैं।

आरईडी स्कूल चरखी के खिलाड़ियों ने खेलों में दर्ज की शानदार उपलब्धियां

चरखी दादरी। गांव चरखी स्थित आरईडी स्कूल के विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। ब्लॉक एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के आधार पर कई विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए स्थान सुनिश्चित किया है। विद्यालय के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हैमर थ्रो प्रतियोगिता में अंडर-17 वर्ग में हिमांशी दलाल तथा अंडर-19 वर्ग में निशिता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शॉट पुट में आरव सांगवान ने अंडर-14 तथा हिमानी व निशिता ने अंडर-19 वर्ग में सफलता हासिल की। 100 मीटर दौड़ में तनिष ने अंडर-17 वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रिले दौड़ में छात्राओं की अंडर-14 टीम ने प्रथम तथा अंडर-17 टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों की अंडर-17 रिले टीम ने भी प्रथम स्थान हासिल किया।

7 प्राचार्यों, 17 शिक्षकों एवं विभिन्न स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

- शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्राकर्मी योद्धा फाउंडेशन एवं वैश्य कॉलेज भिवानी के संयुक्त तत्वावधान में गुरु-शिष्य सम्मान समारोह 2025-26 का आयोजन किया गया।

समारोह की सबसे प्रेरणादायक और भावुक करने वाली विशेषता यह रही कि प्राकर्मी योद्धा फाउंडेशन के संस्थापक, मुख्य संरक्षक तथा समारोह के अध्यक्ष एवं भारत सरकार में वरिष्ठ अधिकारी विजेन्द्र वर्मा ने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए अपने गुरु आदरणीय संतलाल यादव को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। इस मौके पर प्राकर्मी योद्धा फाउंडेशन संस्थापक व अध्यक्ष ने विजेन्द्र वर्मा ने कहा कि जीवन में प्राप्त प्रत्येक उपलब्धि के मूल में गुरु का मार्गदर्शन, संस्कार और आशीर्वाद होता है।

प्राकर्मी योद्धा फाउंडेशन का उद्देश्य केवल सम्मान समारोह आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज में शिक्षा, संस्कार, प्रतिभा, राष्ट्रभक्ति और उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों के प्रति सम्मान की भावना को सशक्त बनाना है। शिक्षक और विद्यार्थी किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं तथा उनका सम्मान समाज के उज्ज्वल भविष्य में एक महत्वपूर्ण निवेश है।

शिक्षा सही जीवन मूल्यों की नींव : संत लाल

समारोह में संत लाल यादव ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण और सही जीवन मूल्यों की नींव है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में हमेशा अनुशासन, निरंतर परिश्रम और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर वर शिक्षा एवं समाज के प्रति विशिष्ट योगदान देने वाले 17 शिक्षकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वही विभिन्न स्कूलों के मेधावी छात्रों तथा खेल, सांस्कृतिक व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली युवा प्रतिभाओं को स्मृति-चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं गुरु-शिष्य परम्परा पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में नरेश तंवर उद्यमी, संजय कुमार सुपरिंटेंडेंट ऑफ पोस्ट, राजकुमार तंवर पूर्व चेयरमैन, नगर परिषद भिवानी तथा वीरमती ट्रस्टी प्राकर्मी योद्धा फाउंडेशन सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

पंकज हत्याकांड : चार साल पुरानी रंजिश में की गई पंकज की हत्या

चरखी दादरी। दादरी की प्रेमनगर कॉलोनी में ढाणी रोड पर शनिवार को दिनदहाड़े हुए पंकज हत्याकांड की जांच में पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि रोहतक जिले के सुनारिया गांव निवासी पंकज की हत्या वर्ष 2022 में हुए एक युवक की हत्या का बदला लेने के लिए की गई है। पुलिस ने मृतक की मां बीरमति के बयान के आधार पर एक नामजद व अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें गठित कर दी गई हैं। बता दें कि शनिवार को प्रेमनगर कॉलोनी स्थित ढाणी रोड पर स्कार्पियो सवार बदमाशों ने रोहतक जिले के गांव सुनारिया निवासी 34 वर्षीय पंकज पर फायरिंग कर दी थी। वारदात के दौरान आरोपितों ने पहले उसकी बाइक में टक्कर मारी, जिससे वह सड़क पर गिर गया। इसके बाद बदमाशों ने उस पर गोलियां चला दीं। घटना में पंकज की मां बीरमति भी घायल हो गई थीं। दादरी सिटी थाना पुलिस के जांच अधिकारी एसआई भीम सिंह ने बताया कि वर्ष 2022 में पंकज पर जयपाल निवासी गोछी की हत्या का आरोप था। इसी रंजिश के चलते यह वारदात होने की आशंका है। पुलिस ने मृतक की मां बीरमति के बयान के आधार पर गांव गोछी निवासी रोबिन व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को घटनास्थल से कारतूस के चार खोल बरामद हुए हैं।

सरकारी अस्पताल के पास तीव्र मोड़ पर फैली बजरी

बवानीखेड़ा। सरकारी अस्पताल के समीप स्थित तीव्र मोड़ पर, वीके फोटो स्टेट के सामने, पंजाब नेशनल बैंक के समीप सड़क पर फैली बजरी और पत्थर दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों में हर समय किसी बड़े सड़क हादसे की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बजरी और पत्थर ढोने वाले भारी वाहन प्रतिदिन नियमों की अनदेखी करते हुए तेज गति से गुजरते हैं, जिससे सड़क पर बजरी गिर जाती है। तीव्र मोड़ होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ने का खतरा लगातार बना रहता है। कई वाहन चालक फिसलने से बाल-बाल बच चुके हैं। वहीं लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

बीके स्कूल में भव्य रूप से संपन्न हुआ 'विद्यारंभ संस्कार' समारोह

भिवानी। बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बवानी खेड़ा में रविवार को नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए 'विद्यारंभ संस्कार' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नौनिहालों के शैक्षणिक जीवन की सात्विक, सकारात्मक और संस्कारित शुरुआत करना था। समारोह में शिक्षकों व अभिभावकों ने माँ सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित करके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और दीर्घायु की मंगलकामना की। इसके पश्चात छोटे बच्चों ने स्वागत गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया, जिनमें देशभक्ति गाने पर मेहर, जानवी ने नृत्य किया, जियाना ने कारगिल विजय दिवस पर कविता सुनाई एवं लघुनाटिका के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि अध्यापक की भूमिका एक विद्यार्थी जीवन में कितनी महत्वपूर्ण है।

फोटोग्राफर भाईचारा ग्रुप लगाएगा मरीजों के लिए रक्तदान शिविर

भिवानी। विश्व फोटोग्राफी दिवस के उपलक्ष्य में भिवानी फोटोग्राफर भाईचारा ग्रुप की मीटिंग एलआईसी रोड स्थित हैप्पी स्टूडियो में वरिष्ठ फोटोग्राफर देवेंद्र वर्मा डीके की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में समाजसेवा की अनूठी पहल कर 16 अगस्त को रक्तदान शिविर का आयोजन सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से करने का निर्णय लिया। शिविर में एकत्रित रक्त एम्स बाढ़सा की टीम द्वारा विशेष रूप से कैंसर पीड़ितों के इलाज व सहायता के लिए ले जाया जाएगा। वरिष्ठ फोटोग्राफर देवेंद्र वर्मा डीके ने कहा कि फोटोग्राफी सिर्फ तस्वीरें खींचने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज के रंगों और संवेदनाओं को सहेजने की कला है। इस अवसर पर देवेंद्र वर्मा डीके, राजेश डुडेजा, मनोज घोष, अमन सभ्रवाल, भूपेंद्र सिंह, राजू जिंदल आदि मौजूद रहे।

'मन की बात' कार्यक्रम के सफल आयोजन में चरखी दादरी जिला प्रथम

चरखी दादरी। भारतीय जनता पार्टी जिला चरखी दादरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें एपिसोड के सफल आयोजन और सरल ऐप पर शत-प्रतिशत फोटो एवं रिपोर्ट अपलोड कर एक बार फिर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर को शुभकामनाएं दीं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में जिला भाजपा कमलम कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष ने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और उनके समर्पण, अनुशासन तथा अथक परिश्रम की सराहना की।

'मन की बात' कार्यक्रम में भिवानी जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा

भिवानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात को सुनने और इसे जन-जन तक पहुंचाने में भिवानी जिले ने पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने जिले के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और आम नागरिकों का सहृदय धन्यवाद किया है। भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेशों और उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाने में भिवानी जिले के कार्यकर्ताओं का योगदान अतुलनीय रहा है। यह उपलब्धि कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत, संगठन के प्रति समर्पण और जनता के अटूट विश्वास का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि मन की बात केवल कार्यक्रम नहीं है, बल्कि देश के सकारात्मक बदलावों और समाज सेवा की कहानियों को साझा करने का एक सशक्त माध्यम है। भिवानी जिले के प्रत्येक बूथ स्तर के कार्यकर्ता ने इसे एक उत्सव के रूप में मनाया और लोगों को इससे जोड़ा, जिसके चलते आज भिवानी पूरे राज्य में दूसरे स्थान पर रहा है।

- जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं का जताया आभार

नीट जैसी देश की कठिनतम परीक्षाओं में सफलता पाना साधारण उपलब्धि नहीं: घनश्याम सर्राफ

छात्राओं को मिठाई खिलाकर, पटका पहनाया

विधायक ने नीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। नीट में बेहतरीन रैंक हासिल करने वालों को सम्मानित करते हुए।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ और भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर, पटका पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सफल विद्यार्थी, उनके अभिभावक तथा पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि भिवानी के बच्चों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि लगन और प्रतिभा में वे किसी से पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नीट जैसी देश की कठिनतम परीक्षाओं में सफलता पाना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। यह बच्चों की अथक मेहनत, उनके माता-पिता के त्याग और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। भिवानी के ये होनहार कल डॉक्टर बनकर समाज और देश की सेवा करेंगे। हमें इन पर गर्व है और भाजपा परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

हर संभव सहायता करेंगे

इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने विद्यार्थियों और उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के बच्चों ने इस परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि हौसला बुलंद हो तो कोई भी मंजिल कठिन नहीं होती। आज के इस सम्मान समारोह का उद्देश्य अन्य छात्रों को भी प्रेरित करना है। केंद्र व प्रदेश सरकार लगातार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है ताकि हमारे युवाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर मिल सकें। सम्मानित होने वाले मेधावी विद्यार्थियों में जिले के विभिन्न स्कूलों के होनहार शामिल रहे, जिन्होंने उत्कृष्ट अंक और रैंक हासिल की है। इस दौरान शिवम, अर्पित गर्ग, योगेश, हिमांशु, हर्ष, अंकित, अभिनव वशिष्ठ, लक्ष्य, एजेलिना, रूद्रप्रताप, कुशलता, प्रिया, अंतिमा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी अभिभावकों ने भाजपा नेतृत्व और जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद व्यक्त किया। नेताओं ने आश्वासन दिया कि इन होनहारों को आगे की शिक्षा और करियर मार्गदर्शन में हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

नहर में 15 दिन पानी देने को लेकर धरना जारी

बवानीखेड़ा। सुंदर ब्रांच नहर में 15 दिन तक पूरा पानी चलाने की मांग को लेकर किसानों का धरना सोमवार को 30वें दिन भी जारी रहा। रविवार को धरने की अध्यक्षता जयभगवान ढाणी किरावड़ ने की। धरने में अभाकिस के जिला प्रधान रामफल देशवाल विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार और सिंचाई मंत्री की जिम्मेदारी है कि किसानों को नहरों में समय पर और पूरा पानी उपलब्ध कराया जाए, लेकिन दोनों ही अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि धरने को लगातार 30 दिन हो चुके हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। देशवाल ने बताया कि 17 जुलाई को सिंचाई विभाग के एसडीओ और एक्सईएन से भी मुलाकात की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सुंदर ब्रांच नहर में पूरा पानी चलाने के संबंध में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि किसानों की मांगों को शीघ्र पूरा किया जाए, अन्यथा किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008